श्रम का महत्त्व

(कविता)

1

श्रम साधन है, श्रम वंदना,
श्रम से पूरी हो कल्पना।
श्रम है माटी नंदन वन की,
करती शांत क्षुधा तन-मन की।
श्रम है मूल मंत्र जीवन का,
श्रम से तोड़ रहा गिरि तिनका।
श्रम से हर मंज़िल आसान,
श्रम से मानव बने महान्।
श्रम से जो भी नाता रखता,
जीवन-पथ पर कभी न थकता।
श्रम से तुम भी नाता जोड़ो,
आलस की कारा को छोड़ो।
श्रम पर सारी दुनिया वारी,
श्रम पर भारत माँ बलिहारी।

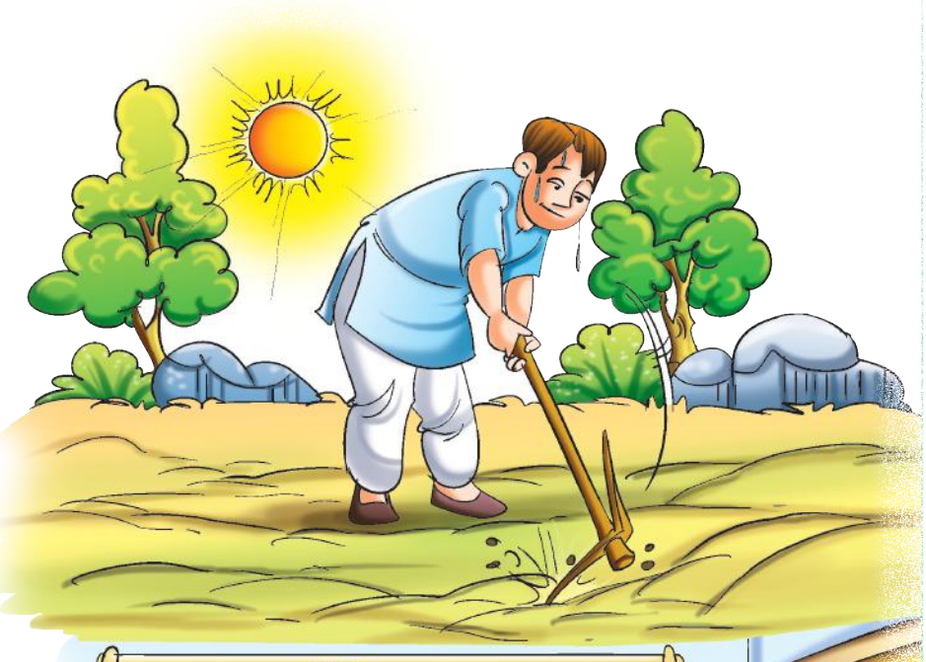

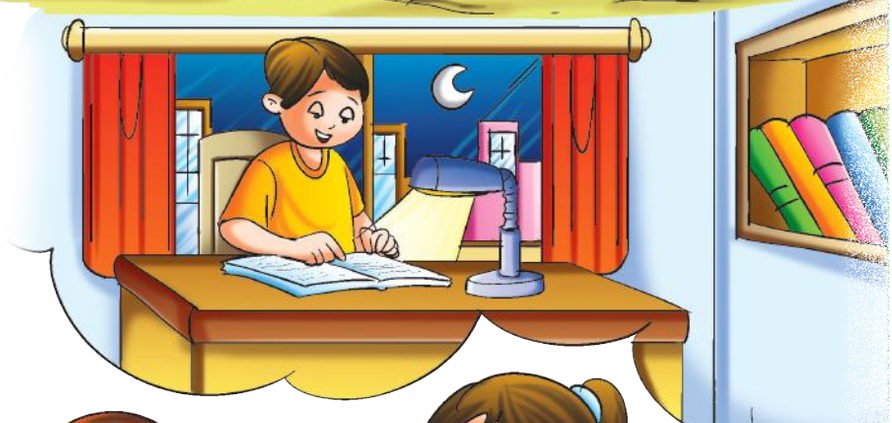

शब्द-भंडार

श्रम — मेहनत *(striving)*,
माटी — मिट्टी *(mud)*,
गिरि — पहाड़ *(rock)*,
नाता — संबंध *(relationship)*।
वंदना — प्रार्थना *(prayer)*,
क्षुधा — भूख *(hungry)*,
पथ — रास्ता *(way)*,

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

श्रम	साधन	क्षुधा	मंत्र	मंज़िल
आसान	आलस	दुनिया	बलिहारी	कल्पना

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) सभी कल्पना किससे पूरी होती हैं?

(ख) मूल मंत्र जीवन का क्या है?

(ग) कवि क्या छोड़ने को कह रहा है?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) श्रम के द्वारा हर मंज़िल हो जाती है—

- ☐ भारी
- ☐ आसान
- ☐ मुश्किल
- ☐ ऊबड़-खाबड़

(ख) कवि नाता जोड़ने को कह रहा है—

- ☐ आलस्य से
- ☐ भ्रम से
- ☐ श्रम से
- ☐ घमंड से

(ग) श्रम पर वारी है—

- ☐ सारी दुनिया
- ☐ पक्षी
- ☐ कोई नहीं
- ☐ गिरि

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो–

श्रम साधन है ..... ,

श्रम से पूरी ..... ।

श्रम है माटी ..... ,

करती ..... तन-मन की।

श्रम है ..... जीवन का,

श्रम से तोड़ ..... ।

श्रम से हर मंज़िल ..... ,

..... बने महान्।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) श्रम क्या शांत करता है?

(ख) किससे नाता रखने वाले कभी भी पथ पर नहीं थकते?

(ग) श्रम क्या है?

भाषा-ज्ञान

1. पढ़िए और समझिए।

मुरगा	–	मुरगे	चिड़िया	–	चिड़ियाँ
छाता	–	छाते	चुहिया	–	चुहियाँ
गमला	–	गमले	गुड़िया	–	गुड़ियाँ

2. दिए गए अक्षरों में मात्राएँ बदलकर नए शब्द बनाइए।

त	ल	.....	.....	.....	.....
ब	ल	.....	.....	.....	.....
क	ल	.....	.....	.....	.....
म	ल	.....	.....	.....	.....

क्रियात्मक गतिविधि

- क्या परिश्रम सफलता की कुंजी है? अपने विचार लिखो।
- उन कार्यों की सूची बनाओ जो आप करते हैं।